Dt. 6.5.24
Pg. 1 B+

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे 'आस्तीन का साँप होना' से 'आग बबूला होना' तक)
(पृष्ठ - 134-136)

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण - 7

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा सातवीं की व्याकरण की पुस्तक वीवा के पृष्ठ - 134 से 136 पर दिए मुहावरों को पढ़ेंगे।

मुहावरे वाक्य का ऐसा अंश होते हैं जो अपने साधारण अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को व्यक्त करता है, उसे हम मुहावरा कहते हैं। मुहावरे का वाक्य में विशेष अर्थ होता है; जैसे - 1. कक्षा में प्रथम आने की सूचना पाकर मैं खुशी से फूला न समाया अर्थात् बहुत खुश हो जाना।

2. केवल हवाई किले बनाने से काम नहीं चलता, मेहनत भी करनी पड़ती है अर्थात् कल्पना में खोए रहना।

बच्चो, इन वाक्यों में खुशी से फूला न समाया और हवाई किले बनाने वाक्यांश विशेष अर्थ दे रहे हैं। यहाँ इनके शाब्दिक अर्थ नहीं लिए जाएँगे। ये विशेष अर्थ ही मुहावरे कहलाते हैं। मुहावरा शब्द अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है - अभ्यास।
मुहावरों के विशेष अर्थ कभी नहीं बदलते। वे सदैव एक-से रहते हैं। ये लिंग, वचन और क्रिया के अनुसार वाक्यों में प्रयुक्त होते हैं।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

6.5.24

Dt.
Pg. 2 B+

कक्षा - सातवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-134-136)

1. आस्तीन का साँप (अर्थ:- पास में छिपा हुआ शत्रु)
(कपटी, धोखेबाज मित्र)
वाक्य:- अरे मित्र! तुम क्षितिज पर विश्वास कर रहे हो! वह कभी-भी धोखा दे सकता है। जानते नहीं, वह तो आस्तीन का साँप है।

2. आसमान पर थूकना (अर्थ:- किसी महान व्यक्ति का निरादर करना, निर्दोष पर दोष लगाना)
वाक्य:- नेताजी सुभाषचंद्र बोस एक महान् देशभक्त थे उनके बारे में कुछ कहना आसमान पर थूकने के समान है।

3. इधर-उधर की हाँकना (अर्थ:- व्यर्थ गप्पें मारना)
वाक्य:- हमारी पड़ोसिन का काम बस इधर-उधर की हाँकना है।

4. आग में घी डालना:-(अर्थ:- झगड़ा या क्रोध को और बढ़ाना)
वाक्य:- पिताजी पहले ही गुस्से में थे। तुमने घड़ी टूटने की बात बताकर आग में घी और डाल दिया।

5. अपनी खिचड़ी अलग पकाना (अर्थ:- अलग रहना, साथ मिलकर न रहना)
वाक्य:- शरद कभी सबके साथ नहीं खेलता। उसे तो अपनी खिचड़ी अलग पकाने की आदत है।

6. अँगूठा दिखाना (अर्थ:- साफ़ इनकार करना)
वाक्य:- जरूरत के समय यदि मित्र अँगूठा दिखा दे, तो समझो कि वह सच्चा मित्र नहीं है।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-134-136)
(आस्तीन का साँप होना से आग बबूला होना)

7. अंग-अंग ढीला होना (अर्थ:- बहुत थक जाना)
वाक्य:- विवाह के अवसर पर दिन भर मेहमानों के स्वागत में लगे रहने से मेरा अंग-अंग ढीला हो रहा है।

8. अंगारे उगलना (अर्थ:- क्रोध में कठोर वचन कहना)
वाक्य:- जब एक बच्चे ने खिड़की का शीशा तोड़ दिया तो घर की मालकिन उस पर अंगारे उगलने लगी।

9. अंधे की लकड़ी (अर्थ:- एकमात्र सहारा)
वाक्य:- श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए अंधे की लकड़ी थे।

10. अक्ल का दुश्मन (अर्थ:- बेवकूफ होना, मूर्ख)
वाक्य:- मोहन अक्ल का दुश्मन है, तभी तो सच और झूठ में अंतर नहीं कर पाता है।

11. अक्ल के घोड़े दौड़ाना (अर्थ:- तरह-तरह के विचार करना)
वाक्य:- मुसीबत से बाहर निकलने के लिए अक्ल के घोड़े दौड़ाने पड़ते हैं।

12. अक्ल पर पत्थर पड़ना (अर्थ:- बुद्धि भ्रष्ट होना)
वाक्य:- रजत की अक्ल पर तो पत्थर पड़ गया है जो परीक्षा के पहले दिन फ़िल्म देखने गया।

13. अगर-मगर करना (अर्थ:- टालमटोल करना, बहाने बनाना)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

Dt 6.5.24
Pg 4 B+

कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-134-136)

वाक्य:- रमेश बहुत स्वार्थी है। जब भी कोई उससे मदद माँगता है तो वह अगर-मगर करने लगता है।

14. अपना उल्लू सीधा करना (अर्थ:- स्वार्थ सिद्ध करना)
वाक्य:- अधिकांश राजनेता अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं।

15. अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना (अर्थ:- अपना नुकसान स्वयं करना)
वाक्य:- अपने अधिकारी से झगड़ा करके तुमने अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मार ली है।

16. अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना (अर्थ:- अपनी प्रशंसा स्वयं करना)
वाक्य:- दिव्यांश अच्छा चित्रकार नहीं है, परंतु जब देखो अपनी तुलना महान चित्रकारों से करके अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनता रहता है।

17. आँख दिखाना (अर्थ:- बहुत क्रोध करना)
वाक्य:- इस तरह आँखें दिखाने से काम नहीं चलेगा, मैं तुमसे डरने वाला नहीं हूँ।

18. आँखें खुलना (सचेत होना, होश आना)
वाक्य:- ठोकर खाने के बाद ही बहुत से लोगों की आँखें खुलती हैं।

19. आँखें चुराना (अर्थ:- अनदेखा करना, अपने को छिपाना)
वाक्य:- जब से हरीश ने सोमेश से पैसे उधार लिए हैं, उसे देखते ही वह उससे आँखें चुराने लगा है।

(पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

6.5.24

Dt.
Pg 5 B+

कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-134-136)

20. आँखों का तारा (अर्थ:- बहुत प्यारा)
वाक्य:- आज्ञाकारी बच्चा माँ-बाप की आँखों का तारा होता है।

21. आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना)
वाक्य:- आजकल कई नकली कंपनियाँ लोगों की आँखों में धूल झोंककर उनसे पैसा लेकर नदारद हो जाती हैं।

22. आकाश-पाताल एक करना (अर्थ:- बहुत परिश्रम करना)
वाक्य:- इंजीनियरिंग में दाखिला पाने के लिए मनोज ने आकाश-पाताल एक कर दिया।

23. आँच न आने देना (अर्थ:- कष्ट न होने देना)
वाक्य:- चाहे मुझे कुछ भी करना पड़े मैं अपने परिवार की इज़्ज़त पर आँच न आने दूँगा।

24. आसमान सिर पर उठाना (अर्थ:- बहुत शोर करना)
वाक्य:- अपनी टीम की जीतने की खबर सुनकर सभी बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।

25. आग-बबूला होना:- (अर्थ:- क्रोध से भर जाना)
वाक्य:- पुत्र की गलत हरकत देखकर पिता आग-बबूला हो गए।

बच्चो! 1-25 तक मुहावरे हमने कर लिए हैं।
अब आपको मैं गृहकार्य दूँगी।

गृहकार्य:- सब बच्चे इस कराए गए कार्य को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

(अंतिम पृष्ठ-5)

Tutorial
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner